

पंचायती राज का लक्ष्य एवं उद्देश्य।
 (Aims and Objective of Panchayat Raj)

पंचायती राज की स्थापना का मूल विचार यही था कि सामील होगा, में स्थानीय स्वायत्त ग्राम संस्थाओं को निर्मित किया जाय ताकि उन्हें विकास के दुर्बलित कुछ विशिष्ट कार्य का संपादन जा सके। इस कानून के द्वारा कि पंचायती राज को संस्थाओं को अधिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रजातन्त्र एक ही द्वारा लाना चाहिए। आपकी मानना है कि इन संस्थाओं का होगा फैला, आपके हाजा चाहिए कि ये कुछ ऐसे महत्वपूर्ण परिवर्तन ले सकें जो कि परम्परावादी समाज को बदलने के लिए अवश्यक है। इस विचार का समर्थन प्रा. इकबाल नारायण के द्वारा किया गया। आपने बताया कि पंचायती राज को तीन आयामों वाली एक व्यवस्था माना जाना चाहिए। ये तीन आयाम आधुनिकीकरण (Modernisation), लोकतन्त्रीकरण (Democratisation), तथा राजनीतिकरण (Politicalisation) पंचायती राज के लक्ष्यों के रूप में हैं।

मारत में लोकतान्त्रिक विकासीकरण एक अत्यनुत महत्वपूर्ण अवधारणा बन चुकी है। लोकतन्त्र का तात्पर्य ऐसी राज्य व्यवस्था है जहाँ शालन व्यवस्था किसी प्रशंसनीय आवित था, कुछ आवितयों के हाथ में न होकर जनता के हाथ में हो। लोकतन्त्र में जनता ही प्रत्यक्ष रूप से उपरोक्ष रूप से शालन व्यवस्था में मार्ग लेती है।

लोकतान्त्रिक विकास के काम में अमिप्राय यह है कि लोकतन्त्र के सिद्धान्तों के अधार पर विभिन्न संस्थाओं का निर्माण किया जाय और उनमें प्रशासनिक सत्ता का हृदय प्रकार से वितरण किया जाय कि जनता का बग - बग पर उसकी जातुमात्र हो लकड़ी ग्रामीण समाज में परिवर्तन लाने के व्यापक लकड़ी का द्यान में रखकर पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से एक गृहतशील नेतृत्व के विकास पर जारी किया गया। अशा यह की गयी थी की नवीन प्रकार के नेतृत्व ग्रामीण समाज में विकास कार्य को बढ़ावे प्रदान करने और उस असुनिकौकले की दिशा में अपग्रेड़ जड़ाने में लकड़ी आगे दे सकता। पंचायती राज के अन्तर्गत सत्ता को तीन स्तरीय व्यवस्था के अन्तर्गत आम लौट पर पंचायत, प्रखण्ड लौट पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला-परिषद की स्थापना कर विभिन्न जन-प्रतिनिधियों को लौपून और उन्हें दी विकास कार्य का दायित्व सुन्मालन का दायित्व दिया जाया। पंचायती राज के अन्तर्गत इसी तीन-स्तरीय व्यवस्था के माध्यम से सत्ता का नियंत्रण लौट पर वितरण किया गया। इसी का लोकतान्त्रिक विकास के नाम से पुकारा गया।